दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्याससाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, मंगलवार 11 फरवरी 2025 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-07, अंक- 134

अंतर्राष्ट्रीय

राष्ट्रपति ट्रंप का एक और बड़ा ऐलान, स्टील और एल्युमीनियम आयात पर 25 फीसदी टैरिफ लगाने का लिया फैसला

वाशिंगटन। डोनाल्ड ट्रंप जब से अमेरिका के राष्ट्रपित बने हैं उन्होंने अपने फैसलों से सबक चौंकाया है। उनके फैसलों का असर पूरी दुनिया पर पड़ रहा है। अब डोनाल्ड ट्रंप ने एक नया एलान किया है, उन्होंने कहा है कि वे स्टील और एल्युमीनियम के आयात पर 25 फीसदी टैरिफ लगाएंगे। इस संबंध में ट्रंप जल्द ही आधिकारिक एलान करेंगे। मीडिया से बात करते हुए ट्रंप ने कहा कि वे विभिन्न देशों पर पारस्परिक टैरिफ भी लगाएंगे। हालांकि उन्होंने ये नहीं बताया कि वे किस पर पारस्परिक टैरिफ लगाने जा रहे हैं, लेकिन उन्होंने इसके संकेत दिए कि जो भी देश अमेरिका पर ज्यादा टैरिफ लगाता है, वे भी उस देश पर उतना ही टैरिफ लगाएंगे। डोनाल्ड ट्रंप ने अपने पहले कार्यकाल के दौरान भी स्टील पर 25 प्रतिशत और एल्युमीनियम पर 10 प्रतिशत टैरिफ लगाया था। स्टील और एल्युमीनियम पर टैरिफ लगाने के ट्रंप के फैसले से जो देश सबसे ज्यादा प्रभावित होंगे, उनमें कनाडा, मेक्सिको और ब्राजील का नाम शामिल है। आंकड़ों के अनुसार, अमेरिका अपना स्टील सबसे ज्यादा कनाडा, ब्राजील और मेक्सिको से ही मंगवाता है। इनके अलावा अमेरिका दक्षिण कोरिया, वियतनाम से भी स्टील मंगवाता है तो ट्रंप के टैरिफ लगाने के फैसले से ये देश सबसे ज्यादा प्रभावित होंगे।

बांग्लादेश : हिंसा फैलाने वाले शैतानों के खिलाफ सरकार की बड़ी कार्यवाई, 1300 से ज्यादा गिरफ्तार

ढाका । बांग्लादेश के सुरक्षा बलों ने शनिवार को शुरू किए गए एक बड़े एक्शन में सोमवार तक 1,300 से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया है। इस कार्रवाई का उद्देश्य पिछले कुछ दिनों से देश में जारी हिंसा की नई लहर को दबाना है। देशव्यापी अभियान को ऑपरेशन डेविल हंट नाम दिया गया है। मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार ने अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के परिवार और उनकी अवामी लीग पार्टी के प्रमुख सदस्यों से जुड़ी संपत्तियों को निशाना बनाए जाने के बाद यह ऑपरेशन शुरु किया। हिंसा तेज से पूरे देश में फैल गई, भीड़ ने अवामी लीग के प्रतीकों को निशाना बनाया और राजनीतिक गुटों के बीच तनाव बढ़ गया। शुक्रवार रात गाजीपुर जिले में छात्रों और नागरिकों पर हमले के बाद अंतरिम सरकार ने शनिवार को ऑपरेशन डेविल हंट का आदेश दिया। ऑपरेशन में शामिल संयुक्त बलों में सेना के जवान, पुलिस और विशेष इकाइयां शामिल हैं। अब तक, अधिकारियों ने पिछले चार दिनों में देश में फैली अशांति और हिंसा के सिलसिले में 1,300 लोगों को गिरफ्तार किया है। अंतरिम सरकार ने देश को अस्थिर करने की कोशिश कर रहे सभी शैतानों को जड़ से उखाड़ फेंकने की कसम खाई है। हिंसा के दौरान सबसे भयावह घटनाओं में से एक तब हुई जब प्रदर्शनकारियों ने राजधानी ढाका में स्थित बांग्लादेश के संस्थापक शेख मुजीबुर रहमान के ऐतिहासिक आवास में आग लगा दी। यह घर देश के इतिहास में अहम जगह रखता है क्योंकि यहीं से रहमान ने 1971 में पाकिस्तान से बांग्लादेश की स्वतंत्रता की घोषणा की थी।

यमन : सुरक्षा बलों ने हूती विद्रोहियों के हमलों को किया नाकाम, दो की मौत

अदन । यमन के सरकारी बलों ने देश के तेल समृद्ध प्रांत मारिब को निशाना बनाकर किए गए हूती समूह के कई हमलों को विफल कर दिया। इसमें दो हूती विद्रोही मारे गए और कई अन्य घायल हो गए। एक सैन्य अधिकारी ने यह जानकारी सिन्हुआ को दी। स्थानीय सैन्य अधिकारी ने नाम न जाहिर करने की शर्त पर बताया, पिछले 48 घंटों के दौरान हूती विद्रोहियों ने तेल समृद्ध मारिब प्रांत पर हमले तेज कर दिए थे, जिसके जवाब में सरकारी बलों ने मारिब के कई युद्ध क्षेत्रों में अभियान चलाया। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, अधिकारी ने कहा कि सरकारी बलों ने उत्तरी मारिब में राघवान मोर्चे पर हूती आक्रमणों को सफलतापूर्वक विफल कर दिया। इससे हूती विद्रोहियों को पीछे हटने पर मजबूर होना पड़ा। उन्होंने कहा कि हूतियों को तगड़ा नुकसान हुआ है। सरकारी अधिकारी ने हूती विद्रोहियों पर भारी तोपखाने, कत्यूषा रॉकेट, ड्रोन और स्नाइपर्स सहित कई हथियार प्रणालियों का उपयोग करके आक्रामक कार्रवाई जारी रखने का आरोप लगाया।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने संगम में लगाई आस्था की डुबकी

लखनऊ । आरएनएस

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू सोमवार को प्रयागराज के दौरे पर पहुंच चुकी हैं। इस दौरान उन्होंने संगम में आस्था की डुबकी लगाई है। स्नान के बाद उन्होंने पूजा-अर्चना भी की। उनके साथ यूपी की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और कैबिनेट मंत्री नंद गोपाल नंदी मौजूद रहे।

इसके पहले राष्ट्रपति बमरौली एयरपोर्ट पहुंची। यहां राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और मुख्यमंत्री योगी ने स्वागत किया। वहां से अैरल पहुंचीं, फिर बोट पर सवार होकर मुख्यमंत्री योगी और राज्यपाल के साथ संगम पहुंचीं और स्नान किया। इस दौरान उन्होंने पक्षियों को दाना भी खिलाया। देश की प्रथम नागरिक का संगम में पावन डुबकी लगाने का यह ऐतिहासिक क्षण है। बता दें कि इससे पहले भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने भी महाकुंभ में पावन स्नान किया था। राष्ट्रपति के दौरे को देखते हुए प्रयागराज में सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद कर दी गई है। मां गंगा, यमुना और अदृश्य सरस्वती के संगम में राष्ट्रपति ने आस्था की डुबकी लगाकर सनातन आस्था को मजबूत आधार दिया है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू धार्मिक आस्था को और अधिक मजबूती देने के लिए अक्षयवट का दर्शन-पूजन करेंगी। सनातन संस्कृति में अक्षयवट को अमरता का प्रतीक माना जाता है। यह हिन्दू धर्म का एक महत्वपूर्ण स्थल है, जिसकी महत्ता पुराणों में भी वर्णित है। इसके अलावा वह बड़े हनुमान मंदिर में भी दर्शन करेंगी और पूजा-अर्चना कर देशवासियों के सुख-समृद्धि की कामना करेंगी। राष्ट्रपति डिजिटल महाकुंभ अनुभव केंद्र का अवलोकन करेंगी, जिसमें महाकुंभ मेले की विस्तृत जानकारी तकनीकी माध्यमों से उपलब्ध कराई जा रही है।

ज्ञात हो कि 13 जनवरी से अब तक 43.57 करोड़ से ज्यादा श्रद्धालु स्नान कर चुके हैं। इस दौरान उत्तराखंड के सीएम पुष्कर सिंह धामी ने भी परिवार के साथ संगम में डुबकी लगाई और भगवान सूर्य को अर्घ्य दिया। उधर महाकुंभ के चलते प्रयागराज शहर में जबरदस्त भीड़ है। इसे देखते हुए सुरक्षा के और इंतजाम किए गए हैं। कई जगह वनवे ट्रैफिक लागू किया गया है।

राष्ट्रपति ने बड़े हनुमान के दरबार में टेका मत्था, अक्षयवट और सरस्वती कूप का किया दर्शन

प्रयागराज की पावन धरा पर सोमवार को देश की प्रथम नागरिक राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने पहुंचकर पवित्र त्रिवेणी संगम में स्नान किया। इसके बाद वैदिक मंत्रोच्चारण और श्लोकों के बीच उन्होंने संगम स्थल पर पूजा-अर्चना की और संगम की आरती भी उतारी। राष्ट्रपति यहां महाकुंभ की भव्यता और दिव्यता की साक्षी बनीं।

इसके उपरांत उन्होंने अक्षयवट और सरस्वती कूप के दर्शन किए, साथ ही बड़े हनुमान मंदिर पहुंचकर श्रद्धाभाव से पूजन-अर्चन किया। इस दौरान प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी मौजूद रहे।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने संगम में पवित्र स्नान के उपरांत धार्मिक आस्था को और अधिक मजबूती देने के लिए अक्षयवट का दर्शन-पूजन किया। सनातन संस्कृति में अक्षयवट को अमरता का प्रतीक माना जाता है। यह हिंदू धर्म का एक महत्वपूर्ण स्थल है, जिसकी महत्ता पुराणों में भी वर्णित है।

इसके अलावा वे यहां सरस्वती कूप के दर्शन को भी पहुंचीं। उन्होंने बड़े हनुमान मंदिर में भी दर्शन-पूजन किया और देशवासियों के सुख-समृद्धि की कामना की। मंदिर के महंत और बाघंबरी पीठ के पीठाधीश्वर बलबीर गिरि ने पूरे विधि विधान से पूजन संपन्न कराया और राष्ट्रपति को मंदिर की प्रतिकृति भेंट की।

आधुनिक भारत और डिजिटल युग के साथ धार्मिक आयोजनों को जोडऩे की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की पहल को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भी समर्थन दिया। वे डिजिटल महाकुंभ अनुभूति केंद्र का अवलोकन करने पहुंचीं, जिसमें महाकुंभ मेले की विस्तृत जानकारी तकनीकी माध्यमों से उपलब्ध कराई जा रही है।

देश-विदेश के श्रद्धालुओं को महाकुंभ के अद्भुत आयोजन को और अधिक निकटता से अनुभव करने के लिए इसे स्थापित किया गया है। राष्ट्रपति ने स्वयं इसका अनुभव किया। वहीं, मुख्यमंत्री ने उन्हें केंद्र की विशेषताओं से अवगत कराया।

इससे पहले राष्ट्रपति मुर्मू के सोमवार सुबह प्रयागराज पहुंचने पर राज्यपाल आनंदी बेन पटेल और सीएम योगी आदित्यनाथ ने उनका स्वागत किया। यहां से राष्ट्रपति अैरल घाट पहुंचीं, जहां से क्रूज पर सवार होकर वह त्रिवेणी संगम पहुंचीं। इस दौरान उन्होंने डेक पर खड़े होकर नौका विहार का आनंद भी लिया और अपने हाथों से पक्षियों को दाना खिलाया।

प्रयागराज में लगा इतिहास का सबसे 'भीषण' जाम, 1 घंटे का सफर तय करने में लग रहे 10 घंटे

नई दिल्ली । आरएनएस

तीन जनवरी से शुरू हुए महाकुंभ में अब तक 43 करोड़ से ज्यादा लोग डुबकी लगा चुके हैं। महाकुंभ में अभी 16 दिन बाकी हैं। वहीं, लोगों का प्रयागराज पहुंचने का सिलसिला लगातार जारी है। इस बीच प्रयागराज का कोई भी कौना ऐसा नहीं है जहां पर जाम न हो। हालात ऐसे है कि व्यक्ति अगर एक जगह खड़ा है तो उसे अपनी जगह से आगे बढऩे में ही काफी समय लग जाएगा।

प्रयागराज को जाने वाली सडक़ों पर गाडिय़ों का कई-कई किलोमीटर लंबा जाम लगा है। लोग 'रोड अरेस्ट' की गिरफ्त में हैं। सबसे बुरा हाल रीवा-प्रयागराज हाइवे पर लगा है। वहीं, भयंकर जाम को देखते हुए मध्य प्रदेश पुलिस ने लोगों से प्रयागराज न जाने की अपील की है। पुलिस ने लोगों से रास्ते से ही वापस लौट जाने की अपील की है। आम दिनों में प्रयागराज से रीवा जाने में डेढ़-दो घंटे का समय लगाता है लेकिन अब लोगों को इस दूरी को तय करने में आठ-10 घंटे का समय लगा। मध्य प्रदेश से प्रयागराज की ओर आने वाला हर रास्ता आकर रीवा-प्रयागराज हाइवे में मिलता है। माघी पूर्णिमा के पवित्र अवसर पर संगम में स्नान करने के लिए बड़ी संख्या में लोग प्रयागराज के लिए निकल पड़े। इससे रीवा-प्रयागराज जाम हो गया। प्रयागराज में प्रवेश करने से पहले सोहागी घाटी पहाड़ी रास्ता है। वहां गाडिय़ों की रफ्तार कम हो जाती है। इसलिए चाकघाट बॉर्डर से ही जाम ने विकराल रूप ले लिया। इससे लोगों को काफी परेशानी उठानी पड़ रही है।

शिव शक्ति प्वाइंट : चंद्रयान-3 लैंडिंग साइट 3.7 अरब वर्ष पुरानी, वैज्ञानिकों का चौंकाने वाला दावा

नई दिल्ली । आरएनएस

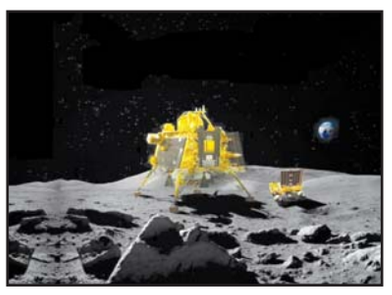

भारत के चंद्रयान-3 अंतरिक्ष यान ने 2023 में चंद्रमा के शिव शक्ति प्वाइंट पर ऐतिहासिक लैंडिंग की थी। अब, वैज्ञानिकों ने एक महत्वपूर्ण खोज की घोषणा करते हुए बताया है कि चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर स्थित यह सतह लगभग 3.7 अरब वर्ष पुरानी है।

यह अध्ययन, जिसमें उच्च-रिज़ॉल्यूशन रिमोट सेंसिंग डेटासेट का उपयोग किया गया, बेंगलुरु स्थित इसरो के इलेक्ट्रो ऑप्टिक्स सिस्टम सेंटर, अहमदाबाद की फिजिकल रिसर्च लेबोरेटरी और चंडीगढ़ की पंजाब यूनिवर्सिटी के विशेषज्ञों की एक टीम द्वारा किया गया था। टीम ने चंद्रयान-3 की लैंडिंग साइट, शिव शक्ति प्वाइंट का विस्तृत मानचित्र तैयार किया।

अध्ययन के अनुसार, लैंडिंग साइट को तीन मुख्य भागों में विभाजित किया जा सकता है: उच्च-रिलीफ रग्ड एरिया, स्मूथ प्लेन्स और लो-रिलीफ स्मूथ प्लेन्स। भू-राजनीतिक मानचित्र में इन क्षेत्रों को दर्शाया गया है। साइंस डायरेक्ट जर्नल में प्रकाशित एक शोध पत्र में टीम ने अनुमान लगाया कि लैंडिंग साइट 3.7 अरब वर्ष पुरानी है। यह जानना महत्वपूर्ण है कि यह वही अवधि है जब पृथ्वी पर सबसे पहले माइक्रोबियल जीवन का विकास हुआ था।

रिपोर्ट के मुताबिक, शोधकर्ताओं ने लूनर रिकॉनिसेंस ऑर्बिटर (रुक्रह्र) के वाइड-एंगल कैमरा और टेरेन कैमरा का उपयोग करके क्रेटर और चट्टानों का विश्लेषण किया। 500-1,150 मीटर व्यास वाले 25 क्रेटरों के विश्लेषण से लैंडिंग साइट की आयु 3.7 अरब वर्ष होने का अनुमान लगाया गया है।

इसरो के वैज्ञानिकों ने बताया कि चंद्रमा की सतह लगातार माइक्रो-मेटियोराइट बमबारी और तापीय उतार-चढ़ाव के कारण बदलती रहती है। लाखों वर्षों में, ये चट्टानें टूटकर रेगोलिथ में परिवर्तित हो गई हैं। यह खोज चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव क्षेत्र के भूवैज्ञानिक इतिहास को समझने में महत्वपूर्ण योगदान देती है।

तिरुपति मंदिर लड्डू विवाद में एसआईटी ने 4 लोगों को पकड़ा, टेंडर देने के साथ ही शुरू हो गई थी गड़बड़ी

तिरुपति । आरएनएस

तिरुपति मंदिर के प्रसिद्ध लड्डुओं में पशु चर्बी की मिलावट के आरोपों के बाद गठित विशेष जांच दल (एसआईटी) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए चार लोगों को गिरफ्तार किया है। यह गिरफ्तारियां तिरुपति मंदिर के लड्डुओं में कथित मिलावट के मामले में हुई हैं, जिसने पिछले साल देशव्यापी आक्रोश को जन्म दिया था।

गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान भोले बाबा डेयरी के पूर्व निदेशकों विपिन जैन और पोमिल जैन, वैष्णवी डेयरी के अपूर्व चावड़ा और एआर डेयरी के राजू राजशेखरन के रूप में हुई है। अधिकारियों के अनुसार, ये सभी गिरफ्तार व्यक्ति विभिन्न डेयरी फर्मों से जुड़े हैं और उन पर मंदिर को पशु चर्बी युक्त घी की आपूर्ति में शामिल होने का आरोप है।

एसआईटी सूत्रों ने बताया कि जांच में घी आपूर्ति श्रृंखला के हर चरण में अनियमितताएं पाई गईं, जिसके कारण यह गिरफ्तारियां हुईं। आरोप है कि वैष्णवी डेयरी ने एआर डेयरी के नाम से मंदिर को घी आपूर्ति करने का ठेका हासिल किया और निविदा प्रक्रिया में हेराफेरी करने के लिए फर्जी रिकॉर्ड भी बनाए।

जांच में यह भी खुलासा हुआ कि वैष्णवी डेयरी ने झूठा दावा किया था कि वह भोले बाबा डेयरी से घी खरीदती है। हालांकि, एसआईटी ने पाया कि भोले बाबा डेयरी के पास तिरुमला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) की मांग को पूरा करने की पर्याप्त क्षमता नहीं थी।

यह मामला पिछले साल तब सामने आया था जब तिरुपति मंदिर के लड्डुओं में पशु चर्बी के इस्तेमाल के आरोप लगे थे, जिससे श्रद्धालुओं में व्यापक रोष फैल गया था। उच्चतम न्यायालय के आदेश पर, केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) के नेतृत्व में पांच सदस्यीय एसआईटी का गठन किया गया था। इस टीम में सीबीआई के दो अधिकारी, आंध्र प्रदेश पुलिस के दो अधिकारी और भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) का एक अधिकारी शामिल हैं। एसआईटी मामले की गहन जांच कर रही है।

हजारीबाग : कुंभ से लौट रहे यात्रियों का वाहन दुर्घटनाग्रस्त, तीन महिलाओं की मौत, पांच घायल

हजारीबाग । आरएनएस

झारखंड के हजारीबाग जिला अंतर्गत रांची-पटना रोड पर चरही घाटी में सोमवार को एक सडक़ हादसे में तीन महिलाओं की मौत हो गई, जबकि पांच अन्य घायल हो गईं। सभी महिलाएं प्रयागराज में महाकुंभ स्नान के बाद टाटा सुमो वाहन से रांची लौट रही थीं।

घायलों को इलाज के लिए हजारीबाग स्थित शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज में दाखिल कराया गया है। मृत महिलाओं की पहचान गुमला की रहने वाली अंश देवी और रांची के आईटीआई इलाके की रहने वाली संजू देवी और सोनी देवी के रूप में हुई है। घायलों में रंजू देवी, पुनीता देवी, उमा देवी, ज्योति देवी, और असिता देवी शामिल हैं।

बताया गया कि ये सभी महिलाएं एक ही परिवार की हैं। किराए का वाहन लेकर महाकुंभ स्नान करने गई थीं। वहां से लौटने के दौरान सोमवार को चालक ने सामने आ गए एक बाइक सवार को बचाने के चक्कर में सडक़ किनारे खड़े ट्रक में टक्कर मार दी। इसके बाद पीछे से आ रहा एक मालवाहक ट्रेलर भी दुर्घटनाग्रस्त वाहन से टकरा गया।

वाहन में कुल 11 लोग सवार थे। इनमें से चालक समेत दो महिलाएं सुरक्षित हैं। हादसे की जानकारी मिलते ही चरही थाना की पुलिस मौके पर पहुंची। बड़ी संख्या में स्थानीय लोग भी पहुंचे। वाहन में फंसी सभी महिलाओं को बाहर निकालने के बाद हजारीबाग स्थित मेडिकल कॉलेज भेजा गया। वहां तीन महिलाओं को मृत घोषित कर दिया गया, जबकि पांच अन्य घायलों का इलाज जारी है। हादसे की जानकारी मिलने के बाद महिलाओं के परिजन गुमला और रांची से हजारीबाग पहुंचे हैं।

महाराष्ट्र में बड़ी घटना, नांदेड में गुरुद्वारा के पास फायरिंग, दो लोग घायल

नादेड । आरएनएस

महाराष्ट्र के नांदेड में गुरुद्वारा के पास सोमवार गोलीबारी की घटना हुई। इसमें दो लोग घायल हो गए। घटना के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, सोमवार को नांदेड में एक गुरुद्वारे के पास गोलीबारी की घटना में दो व्यक्ति घायल हो गए। दोनों तो तत्काल इलाज के लिए सरकारी अस्पताल पहुंचाया गया, जहां एक व्यक्ति की हालत गंभीर बताई जा रही है।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, गुरुद्वारा के गेट नंबर 6 के पास शहीदपुरा इलाके में तीन से चार लोगों ने दो युवकों पर कई राउंड फायरिंग की। वारदात के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। जानकारी मिलने पर पुलिस की टीम तुरंत मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस ने गोलीबारी के पीछे का मकसद और इसमें शामिल लोगों की पहचान का पता लगाने के लिए मामले की विस्तृत जांच शुरू कर दी है।

बता दें कि हाल ही में महाराष्ट्र के पालघर जिले में शिकार के दौरान एक व्यक्ति को उसके समूह के कुछ सदस्यों ने कथित तौर पर जंगली जानवर (सूअर) समझकर गोली मार दी थी। व्यक्ति की गोली लगने से मौत हो गई थी। एक पुलिस अधिकारी ने बताया था कि इस घटना के सिलसिले में नौ लोगों को गिरफ्तार किया गया। आरोपियों के खिलाफ गैर-इरादतन हत्या और अन्य अपराधों के तहत केस दर्ज किया गया। अधिकारी के अनुसार, ग्रामीणों का एक समूह जंगली सूअर के शिकार के लिए जिले के मनोर क्षेत्र के बोरशेती वन क्षेत्र में गया था। तभी ये घटना हुई थी।

भारी विरोध के बाद ममता कुलकर्णी ने महामंडलेश्वर पद से दिया इस्तीफा

नई दिल्ली । आरएनएस

पूर्व बॉलीवुड एक्ट्रेस ममता कुलकर्णी ने किन्नर अखाड़े में अपने महामंडलेश्वर के पद से इस्तीफा देने का ऐलान कर दिया है. उन्हें ये पद दिए जाने के बाद किन्नर अखाड़े में भारी विरोध हुआ, जिसके बाद उन्होंने ये फैसला लिया है. उन्होंने एक वीडियो जारी करते हुए इसकी घोषणा की है.

ममता कुलकर्णी पर ये आरोप लगा था कि उन्होंने 10 करोड़ रुपये देकर ये पद लिया है. इसी वजह से अखाड़े में ही उनका विरोधा शुरू हो गया था. उन्हें पद से हटाए जाने की भी बात सामने आई थी. हालांकि, अब उन्होंने खुद अपना पद छोडऩे की बात कही है.

सामने आए वीडियो में ममता कहती हैं, मैं महामंडलेश्वर यमाई माता गिरि इस पोस्ट से इस्तीफा दे रही हूं. अखाड़े में मुझे महामंडलेश्वर घोषित करने को लेकर दिक्कतें हो रही हैं. मैं एक साध्वी थी 25 साल से और मैं साध्वी ही रहूंगी. उन्होंने ये भी कहा कि उन्हें सम्मान दिए जाने से कुछ लोगों को आपत्ति हो रही थी.

उन्होंने कहा, "मैंने 25 साल पहले बॉलीवुड छोड़ा. फिर अपने आप गायब रही. वरना बॉलीवुड से, मेकअप से इतना दूर कौन रहता है." कुछ समय पहले उन्होंने ऐसा भी दावा किया था कि जब उन्होंने बॉलीवुड छोड़ा तो उस समय उनके खाते में ढेरों फिल्में थीं, लेकिन उन्होंने बॉलीवुड से दूरी बना ली.

25 साल बाद लौटीं भारत

बॉलीवुड छोडऩे के बाद ममता दुबई में रह रही थीं. पिछले साल के आखिर में वो 25 सालों के बाद दुबई से भारत वापस आईं. वहीं फिर नया साल शुरू होते ही उन्होंने संन्यास लेने का ऐलान कर दिया. प्रयागराज में आयोजित महाकुंभ के दौरान उन्होंने किन्नर अखाड़े से दीक्षा ली और संन्यासी बन गईं.

महामंडलेश्वर डॉक्टर लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी द्वारा उनका पिंडदान और पट्टाभिषेक हुआ था. उन्हें महामंडलेश्वर का पद दिया गया था. हालांकि, फिर कुछ दिनों बाद ही उनका विरोध होने लगा था और अब उन्होंने इस्तीफा देने का ऐलान कर दिया.